

## जीवन में पुस्तकों से करें दोस्ती



पिलानी.  
बि.ट्स में  
आयोजित  
पुस्तक  
मेले में  
खरीदारी  
करते  
लोग।

पिलानी @ पत्रिका बि.ट्स पिलानी में बसंत पुस्तक मेले का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। संस्थान के विश्वकर्मा भवन में आयोजित मेले का उद्घाटन बि.ट्स संस्थान निदेशक डा. एके सरकार के आतिथ्य में हुआ। उन्होंने पुस्तकों के महत्व पर बल देते हुए पुस्तकों से दोस्ती करने की सलाह दी। संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ. गिरिधर एम कुकुर ने बताया कि मेले में लघु कहानियां, बच्चों के लिए रोचक पुस्तकें सहित विभिन्न विषयों की करीब छब्बीस हजार पुस्तकें प्रदर्शित की गई हैं। मेले में डॉ. संगीता शर्मा, देवीका सांगवान, प्रो. प्रिया सांडे, पारितोष शुक्ला तथा अमोल मराठे के सहयोग से लिखित क्रिएटिव लघु कथा तथा पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

राष्ट्रदूत 24 फरवरी, 2016

## 'पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने में पुस्तक मेले की बड़ी भूमिका'

पिलानी, (निसं)। पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं तथा सभी आयु वर्ग के लोगों के बीच पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने में पुस्तक मेले एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। बि.ट्स पिलानी स्थित विश्वकर्मा भवन में गुरुवार को बसंत पुस्तक मेले का शुभारंभ किया गया।

मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि बि.ट्स पिलानी के निदेशक, प्रोफेसर

■ बि.ट्स पिलानी में बसंत पुस्तक मेले का शुभारंभ

अशोक कुमार सरकार द्वारा किया गया। इस दौरान प्रोफेसर सरकार ने सभा को संबोधित करते हुये डिजिटल दुनिया में पुस्तक मेले के महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किये तथा पुस्तकों को पढ़ने की आदतों को विकसित करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। पुस्तक मेले के शुभारंभ के दौरान प्रो. सरकार ने बि.ट्स छात्रों और पुस्तक के एडीटर्स (सम्पादकों) प्रो. संगीता शर्मा, प्रो. देवीका सांगवान, प्रो. प्रिया सांडे, प्रो.



बि.ट्स पिलानी के विश्वकर्मा भवन में बसंत पुस्तक मेले का आयोजन किया गया।

पारितोष शुक्ला और प्रो. अमोल मराठे के सहयोग से लिखित पुस्तक क्रिएटिव लघु कथाओं के संग्रह का विमोचन किया। लघु कहानी के लेखकों में से एक लेखक छात्र राधव शर्मा ने स्वरचित मार्मिक कहानी को साझा किया। पोएट्री क्लब के छात्रों सचिन त्रिपाठी और कुप्पा साई सशांक ने स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत कीं। शुभारंभ के दौरान प्रो. एस.के. वर्मा, प्रो. सुरेखा भानोत, कर्नल भटैया और अन्य वरिष्ठ अध्यापक, अधिकारी और छात्र उपस्थित थे। पुस्तक मेले में तकरीबन 26000 पुस्तकें प्रदर्शित की गयी हैं जो कि विज्ञान एवं तकनीकी,

सामाजिक विज्ञान, प्रबन्धन, शब्दकोष, उपन्यास, आत्मकथा व जीवनियां, बाल साहित्य व बच्चों की ज्ञानवर्धक किताबों से संबंधित हैं। प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न विक्रेताओं द्वारा 25 प्रतिशत छूट पर विक्रय की जायेगी। अन्त में गिरिधर कुकुर ने सभी का आभार व्यक्त किया।